# KENDRIYA VIDYALAYA SANSTHAN, RANCHI REGION

## THE GREAT DONNERS

## वॉरेन बफेट

कुल संपत्ति : 54 बिलियन डॉलर

कुल दान : 30.7 बिलियन डॉलर संपत्ति

वॉरेन बफेट एक अमेरिकी बिजनेसमैन हैं। वे वर्तमान में बर्कशायर हैथवे नामक अमेरिकी कंपनी के चेयरमैन और सीईओ हैं। उन्होंने 2006 में ही अपनी 99 फीसदी संपत्ति सामाजिक कार्यो के लिए दान करने की घोषणा कर दी थी। बाद में उन्होंने बिल गेट्स के साथ मिलकर 'द गिविंग प्लेज' की स्थापना की। बफेट ने इस कैम्पेन के दौरान अन्य अरबपतियों से भी आगे आकर दान देने की घोषणा करने का अनुरोध किया था। बकौल बफेट, 'अमीर लोगों को अपनी कम से कम 50 फीसदी संपत्ति दान कर देनी चाहिए।' इसका अरबपतियों पर सकारात्मक असर पड़ा। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार बफेट को 20 वीं शताब्दी का सबसे सफल निवेशक भी माना जाता है। बफेट ने स्वास्थ्य, शिक्षा आदि से जुड़ी समस्याओं से गरीब लोगों को निजात दिलाने के उद्देश्य से दान दिया है। 'द गिविंग प्लेज' एक कैम्पेन है, जिसकी शुरुआत अमेरिका में वॉरेन बफेट और बिल गेट्स ने मिलकर की थी। इसका उद्देश्य दुनियाभर के बिलेनियर्स को अपनी संपत्ति का आधा या उससे ज्यादा हिस्सा अपने जीवनकाल या निधन के बाद चैरिटी की खातिर दान करने के लिए प्ररित करना है। बफेट और गेट्स इस संदर्भ में  भारत और चीन जैसे देशों के अरबपतियों से भी मुलाकात कर चुके हैं।'द गिविंग प्लेज' मोरल कमिटमेंट है। इसके लिए कोई लीगल कॉन्ट्रैक्ट नहीं है। इससे जुड़ने वाला व्यक्ति किस संस्था को या किस क्षेत्र में दान करेगा, यह निर्णय वह खुद ले सकता है।

दुनिया के बड़े दाताओं द्वारा दान की गई राशि से करोड़ों लोगों का भला किया जा सकता है। 'द गिविंग प्लेज' से अब तक 105 लोग जुड़ चुके हैं। यदि केवल कुछ बड़े दानियों को ही देखें तो राशि की विशालता का अनुमान लगाया जा सकता है। वॉरेन बफेट, बिल गेट्स, ली का शिंग और जॉर्ज सोरोस ही कुल मिलाकर अब तक 77.70 बिलियन डॉलर दान कर चुके हैं।

# अजीम प्रेमजी

विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी 'गिविंग प्लेज' पर हस्ताक्षर कर भारत के ऐसे पहले उद्योगपति बन गए

हैं, जिन्होंने अपनी आधी संपत्ति दान देने का फैसला किया है। वैसे दुनिया में दानवीरों की कमी नहीं है। व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ दानवीरता के कारण भी इन्हें ख्याति मिली है। विप्रो के फाउंडर और चेयरमैन अजीम प्रेमजी 390 अरब रुपये का दान देकर सबसे बड़े भारतीय दानदाता बन गए हैं। इससे पहले वह अमेरिकी उद्योगपति और निवेशक वारेन बफेट के 'गिविंग प्लेज' से जुड़ने वाले पहले भारतीय अरबपति बने थे और 'गिविंग प्लेज' ने उम्मीद जताई थी कि प्रेमजी गरीबों और लाचारों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी संपत्ति का कम से कम आधा हिस्सा दान करेंगे। 'गिविंग प्लेज' गरीबों और असहायों के कल्याण के लिए काम करने वाला अरबपतियों का संगठन है।

विप्रो के फाउंडर और चेयरमैन अजीम प्रमेजी इससे पहले भी शिक्षा के लिए 9,000 करोड़ रुपए दान में देने देने का वादा कर चुके हैं। उन्होंने एक बयान में कहा था कि अब वह इस काम के लिए बनाए गए अपने फाउंडेशन ज्यादा धन लगाएंगे। विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी 'गिविंग प्लेज' पर हस्ताक्षर कर भारत के ऐसे पहले उद्योगपति बन गए हैं, जिन्होंने अपनी आधी संपत्ति दान देने का फैसला किया है। वैसे दुनिया में दानवीरों की कमी नहीं है। व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ दानवीरता के कारण भी इन्हें ख्याति मिली है।

# बिल गेट्स

कुल संपत्ति : 56 बिलियन डॉलर

कुल दान : 29 बिलियन डॉलर

बिल गेट्स दान की दुनिया में बड़ा नाम है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के चेयरमैन रहे बिल गेट्स और उनकी पत्नी मेलिंडा गेट्स ने अब तक विभिन्न उद्देश्यों से 29 बिलियन डॉलर दान किए हैं। वर्ष 2000 में गेट्स और उनकी पत्नी ने घर के तीन फाउंडेशन को मिलाकर बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की स्थापना की थी। यह दुनिया का सबसे बड़ा चैरिटी फाउंडेशन है। बिल गेट्स ने सबसे अधिक पैसा दुनियाभर में शिक्षा, एड्स और सैनिटेशन पर खर्च किया है। कहा जाता है कि उनके द्वारा दी गई रकम या उनके फाउंडेशन के कारण अब तक 60 लाख लोगों की जान बचाई जा चुकी है। 'द गिविंग प्लेज' से जुड़ते समय बिल गेट्स ने कहा कि हमारे पास काफी धन है, लेकिन इसका इस्तेमाल करने को लेकर हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

# ली का शिंग

कुल संपत्ति :25.5 बिलियन डॉलर

कुल दान :10 बिलियन डॉलर

ली का शिंग हॉन्गकॉन्ग के व्यवसायी और वहां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। इन्हें एशिया का भी सबसे अमीर व्यक्ति माना जाता है। नवंबर 2012 में फो फोब्रर्स ने इन्हें दुनिया के रईसों की सूची में 9वें नंबर पर रखा था। शिंग की कुल संपत्ति 25.5 बिलियन डॉलर है। 2006 में शिंग ने घोषणा की थी कि वे अपनी संपत्ति का एक तिहाई हिस्सा सामाजिक कार्यो के लिए लगाएंगे। वे अब तक 10 बिलियन डॉलर का दान दे चुके हैं। शिंग ने दुनियाभर में शिक्षा और स्वास्थ्य की तस्वीर बदलने के उद्देश्य से यह दान किया है। शिंग ने 1980 में एक चैरिटी फाउंडेशन की शुरुआत कर दान का सिलसिला शुरू किया था। शैंटाउ यूनिवर्सिटी शिंग का पहला तोहफा था, जो उनके होमटाउन चाओझू में स्थित है।

# मार्क जकरबर्ग

फेसबुक के संस्थापक ने 2010 में अमेरिका के नेवार्क स्कूल को 10 करोड़ डॉलर की सहायता दी, ताकि वे शिक्षक स्कूल में बने रहें, जो बजट में कटौती के चलते निकाले जा रहे थे।